बिहार विधान-सभा सचिवालय

बुधवार, तिथि २० मई, १९७०।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा-सदन में बुधवार, तिथि २० मई, १९७० को पूर्वाह्न ७ बजे अध्यक्ष, श्री राम नारायण मंडल के सभापतित्व में प्रारंभ हुआ।

(इस अवसर पर अध्यक्ष ने आसन ग्रहण किया।)

अल्प-सूचित प्रश्न संख्या ६ के सम्बन्ध में चर्चा।

(श्री विजय कुमार यादव की अनुपस्थिति में श्री अम्बिका प्रसाद के अनुरोध पर प्रश्न पूछा गया।)

श्री रामेश्वर पासवान—इसके लिए समय चाहिए।

श्री अम्बिका प्रसाद—अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न बहुत दिनों से लंबित है। यह ऐसा प्रश्न है जिसमें काफी गोलमाल है। १२ एकड़ जमीन की बन्दोबस्ती मात्र ८३ रुपये में कर दी गयी है। समय मांगने का मतलब है कि इस प्रश्न को दबा देना चाहते हैं। इसलिए आदेश दिया जाय कि इसका उत्तर जरूर दिया जाय।

अध्यक्ष—अगली तिथि को इसका उत्तर जरूर दिया जाय।

श्री रामेश्वर पासवान—अगली तिथि को इसका उत्तर दिया जायगा।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर :

असैनिक सहायक शल्य-चिकित्सक का वेतनमान।

८। श्री विपिन बिहारी सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि वेतन आयोग की सिफारिश को स्वीकार कर बिहार सरकार ने अपने प्रस्ताव संख्या पी०-आर० ४२-८५/५५—५३२-१११, दिनांक १७ जुलाई १९६५ के द्वारा असैनिक सहायक शल्य-चिकित्सकों के वेतनमान को ठीक करने का फैसला लिया था;

प्रखंड-भवन की मरम्मत ।

१८० । श्री सुरेन्द्र प्रसाद यादव—क्या मंत्री, सामुदायिक विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि —

(१) क्या यह बात सही है कि भागलपुर जिला के बाँका अनुमंडल के अन्तर्गत कटोरिया प्रखंड का भवन-निर्माण १९६३-६४ ई० में शालीमार कम्पनी के द्वारा किया गया है;

(२) क्या यह बात सही है कि उक्त मकान का छत बरसात में चूता है और स्टाफ को रहने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(३) क्या यह बात सही है कि उक्त प्रखंड के स्टाफ सहित निवास स्थान के भवन की अवधि (लाइफ) १० वर्ष की है;

(४) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार स्टाफ सहित भवन की मरम्मत अविलम्ब करायेगी ?

श्री बालेश्वर राम—(१) १९६३-६४ में शालीमार कम्पनी ने कटोरिया प्रखंड मुख्यालय भवनों के केवल छतों का निर्माण किया था ।

(२) छत के चूने की शिकायत प्राप्त हुई थी । छत का चूना रोकने लिए बालू एवं अलकतरा से मरम्मत किया गया है ।

(३) उत्तर नकारात्मक है । शालीमार कम्पनी को छत को १० वर्ष तक वाटर प्रूफ हालत में रखना था। ये भवन अर्द्ध-स्थायी स्पेसिफिकेशन पर बने हैं जिनकी अवधि १५—२० साल की आँकी गई है ।

(४) निधि उपलब्धि के अनुसार मरम्मत कराई जा रही है ।

पुल की मरम्मत ।

१८१ । श्री सरयू सिंह—क्या मंत्री, सामुदायिक विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत औरंगाबाद रामपुर सड़क में पकड़ी ग्राम के समीप पुल टूट जाने से आवागमन में बहुत कठिनाई हो गयी है, यदि हाँ, तो सरकार इसे कब तक बनाना चाहती है ?

श्री बालेश्वर राम—यह पुल जैक आर्च (Jack Arch) था जो आर० एस० जोआस्ट (R. S. Joests) पर बना हुआ था । इसे तोड़कर बनाया जा रहा है । बेड ब्लॉक की ढलाई हो चुकी है । इसका काम जून, १९७० तक पूर्ण हो जाने की संभावना है ।